भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 5181

24.07.2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

चाबहार पत्तन

5181. श्री बृजेन्द्र सिंह:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अमरीका और ईरान के मध्य चल रहे वर्तमान तनाव के कारण चाबहार पत्तन पर विकास और भारतीय प्रचालन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है; और

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और हमारे सामरिक और वाणिज्यिक हितों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे राजनयिक उपाय क्या हैं?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री वी. मुरलीधरन)

(क) और **(ख)** भारत ईरान इस्लामिक गणराज्य की सहयोग से चाबहार में शाहिद बेहस्ती बंदरगाह के प्रथम चरण के विकास में भागीदारी कर रहा है। भारतीय कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड ने दिसंबर 2018 में बंदरगाह के प्रचालन की जिम्मेदारी ले ली है और वह तब से सफलतापूर्वक कार्गो नियंत्रण का कार्य कर रही है।

अमेरिका ने अफगानिस्तान के लिए मानवीय सहायता जारी रखने और अफगानिस्तान को एक आर्थिक विकल्प उपलब्ध कराने हेतु चाबहार बंदरगाह प्रचालन के महत्व को समझा है।

अफगानिस्तान ने भी इस बंदरगाह सुविधा का उपयोग करना शुरू कर दिया है। उसने चाबहार बंदरगाह के जरिए फरवरी 2019 में अपने निर्यात की पहली खेप भारत भेजी है। तदुपरांत, जून 2019 में चाबहार बंदरगाह के जरिए तीन और खेप भारत भेजी गई।

***